विद्युत मंत्री संसदीय कार्य मंत्री और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्री (श्री पी० आर० कुमारमंगलम): (क) और (ख) जी, हां। एक राष्ट्रीय पावरग्रिड की परिकल्पना की गई है जिसे सोपानों में क्रियान्वित किया जाएगा। इस समय अभिज्ञात किए गए सोपान निम्नवत हैं:

(i) क्षेत्रीय ग्रिडों को अंतः संयोजित किए जाने के पहले चरण में विभिन्न क्षमता (500-1000 मे० वा०) के चार एच०वी०डी०सी० बैक-टू-बैक संयोजकों की आयोजना की गई है। इनमें से उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्र (विन्ध्याचल) तथा पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्र (चन्द्रपुर) के मध्य दो एच०वी०डी०सी० बैक-टू-बैक संयोजक प्रचालनाधीन हैं। पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्र (गुजुवाका) तथा पूर्वी और उत्तरी क्षेत्र (सासाराम) को जोड़ने वाले अन्य दो संयोजक क्रियान्वयन की विभिन्न अवस्थाओं में हैं। एच०वी०डी०सी० संयोजकों के अलावा, पूर्वी से पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्रों तक 400 के० वी० लाइनों की आयोजना की गई है।

(ii) दूसरे चरण में, पूर्वी क्षेत्र से अन्य क्षेत्रों में उच्च क्षमता के एच०वी०डी०सी० बाईपोल की आयोजना की गई है ताकि सी०ई०पी०ए० के तालचेर चरण-2 (2000 मे०वा०) और छिरमा (3960 मे०वा०) इत्यादि मेगा परियोजनाओं से विद्युत की निकासी की जा सके।

(iii) तीसरे चरण में, एक सशक्त समकालित ग्रिड का प्रस्ताव है जिसमें समकालित रूप से पूर्वी, उत्तर-पूर्वी, पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्रों को अंतः संयोजित करने के लिए दो 765 के० वी० लाइनों की परिकल्पना की गई है।

(ग) से (ङ) दसवें और ग्यारहवीं योजना के समनरूप पारेषण नेटवर्कों के विकास के लिए वित्त पोषण की अनुमानित लागत और पद्धति विस्तृत पारेषण आयोजना अध्ययनों के आधार पर पारेषण आवश्यकताओं के निर्धारण के पश्चात् ही निकाली जा सकेगी।

क्षेत्रीय ग्रिडों के प्रथम चरण को 2001-2002 तक तथा अंतिम चरण की ग्यारहवीं योजना के अंत, 2012 तक पूरा कर लिए जाने की आशा है।

Mega Power Policy

892. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether the Confederation of Indian Industry has made a number of proposals for successful implementation of the mega power policy announced by Government;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government have examined the proposals of CII; and

(d) if so, to what extent the said proposals are going to help in the implementation of mega power policy?

THE MINISTER OF POWER, MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI P. R. KUMARAMANGALAM): (a) to (d) The government has been receiving a number of suggestions from various parties including the Confederation of Indian Industry on different aspects of the private power policy including the policy on development of multi state mega power projects. These relate to the security mechanisms for such projects, concessions to be made available to them and the need to reform the power sectors in the States. Such suggestions are taken into consideration while formulating the policies.

Setting up Power Projects in States

893. SHRI LAJPAT RAI: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) the details of power projects identified in Punjab and other states both in the private and the public sector to be installed with or without foreign aid during the next five years;

(b) whether it is a fact that inspite of clearance of various power projects by the C.E.A., many states could not execute the projects;